विषय : अर्थशास्त्र (030)

अंक योजना – हिन्दी माध्यम

अत्यंत गोपनीय

(प्रश्न पत्र कोड - 58/3/3)

(केवल आंतरिक एवं सीमित उपयोग हेतु)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा, 2026

सामान्य निर्देश:

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।

7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 60 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) ● उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना हिन्दी माध्यम
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2026
अर्थशास्त्र (विषय कोड –030)
[प्रश्न-पत्र कोड : 58/3/3]

अधिकतम अंक : 80

प्र.सं	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड - क **समष्टि अर्थशास्त्र**	
1.	किसी राष्ट्र में विदेशी मुद्रा की माँग को प्रभावित करने वाले कारक की पहचान कीजिए। (सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) जापान में भारतीयों द्वारा किया गया निवेश (B) संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) को वस्त्र निर्यात करने वाले भारतीय उत्पादक (C) खाड़ी देशों से भारतीय श्रमिकों द्वारा प्रेषित धनराशि (D) एक भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनी द्वारा विदेशों को प्रदत्त सेवाएँ **उत्तर: (A) जापान में भारतीयों द्वारा किया गया निवेश**	**1**
2.	दी गई तालिका के आधार पर, बेकर द्वारा की गई मूल्य वृद्धि का अनुमान लगाइए। (राशि ₹ करोड़ में) (सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) 200 (B) 250 (C) 100 (D) 150 **उत्तर: (D) 150**	**1**
3.	निम्नलिखित कथनों : अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : *अभिकथन (A):* सरकार की ऋण आवश्यकताओं में प्रचलित ऋणों पर ब्याज भी सम्मिलित होता है। *कारण (R)* : प्राथमिक घाटे को मापने का लक्ष्य प्रचलित राजकोषीय असंतुलन को सही करना होता है। **विकल्प** : (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है। **उत्तर: (C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है।**	**1**
4.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए : *कथन I* : सेवाओं के व्यापार में कारक आय व गैर कारक आय दोनों के लेन-देन सम्मिलित होते हैं। *कथन II* : चालू खाते में वस्तुओं, सेवाओं व एकतरफा हस्तांतरण से संबंधित लेन-देन सम्मिलित होते हैं। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है।	

	कृषक	बेकर
कुल उत्पादन	100	200
मध्यवर्ती उपभोग	0	50
मूल्य वृद्धि	100	...(i)...

	(C) कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं। **उत्तर: (C) कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं।**	1
5.	मान लीजिए, एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, Y = 50 + 0.8Y + 100, जहाँ Y = राष्ट्रीय आय है। निवेश गुणक (K) का मूल्य_____ होगा। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) 5 (B) 0·2 (C) 50 (D) 0·8 **उत्तर: (A) 5**	1
6.	सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) के मूल्य की गणना करने के लिए सही सूत्र का चयन कीजिए : I. $\frac{\text{बचत में परिवर्तन } (\Delta S)}{\text{उपभोग में परिवर्तन } (\Delta C)}$ II. $\frac{\text{बचत में परिवर्तन } (\Delta S)}{\text{आय में परिवर्तन } (\Delta Y)}$ III. 1 – सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) IV. $\frac{\text{आय में परिवर्तन } (\Delta Y)}{\text{बचत में परिवर्तन } (\Delta S)}$ **विकल्प** : (A) I, II, III और IV (B) II और III (C) केवल III (D) केवल II **उत्तर: (B) II और III**	1
7.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए : *कथन I:* आय के सम-स्तर (break-even level) पर, उपभोग वक्र की ढाल का मूल्य शून्य होता है। *कथन II:* सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) से तात्पर्य आय में प्रति इकाई परिवर्तन पर उपभोग में परिवर्तन से है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं। **उत्तर: (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है।**	1
8.	स्थिर विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत, यदि सरकार विदेशी मुद्रा के संदर्भ में घरेलू मुद्रा की कीमत में कमी करती है तो, इसे मुद्रा का/की कहा जाता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) अवमूल्यन (B) मूल्यह्रास (C) वृद्धि (D) पुनर्मूल्यांकन **उत्तर: (A) अवमूल्यन**	1
9.	उस चर/उन चरों की पहचान कीजिए जो, किसी अर्थव्यवस्था की भावी उत्पादक क्षमता में वृद्धि कर सकता है/सकते हैं : I. कच्चा माल II. स्थायी निवेश III. उत्पादकों के पास उपलब्ध मालसूची (inventories) (सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) केवल I (B) केवल II (C) II और III (D) I, II और III **उत्तर: (B) केवल II**	1

10.	"किसी व्यक्ति द्वारा एक वस्तु का उपभोग करने से अन्य व्यक्तियों द्वारा उपभोग के लिए उपलब्ध मात्रा कम नहीं होती। ऐसी वस्तुओं का उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को मुफ्तखोर (free-riders) कहा जाता है।" उपर्युक्त गद्य में इंगित वस्तुओं के प्रकार की पहचान कीजिए। **विकल्प** : (A) सार्वजनिक वस्तुएँ (B) निजी वस्तुएँ (C) संयुक्त उद्यम वस्तुएँ (D) स्व-उपभोग वस्तुएँ **उत्तर: (A) सार्वजनिक वस्तुएँ**	**1**
11. **(क)**	सकल घरेलू पूँजी निर्माण का अर्थ एवं इसके किन्हीं दो घटकों का उल्लेख कीजिए। **उत्तर: सकल घरेलू पूंजी निर्माण का तात्पर्य पूंजी स्टॉक में वृद्धि से है जिसमें पूंजी स्टॉक में होने वाली टूट-फूट का प्रतिस्थापन शामिल है।** **सकल घरेलू पूंजी निर्माण के दो घटक:** • **सकल घरेलू स्थायी पूंजी निर्माण।** • **मालसूची निवेश** **(अन्य कोई प्रासंगिक घटकों के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1** **1** **1**
	अथवा	**3**
(ख)	"किसी वस्तु का अंतर्निहित गुण नहीं अपितु उसकी आर्थिक प्रकृति यह निर्धारित करती है कि वह वस्तु अंतिम वस्तु होगी अथवा नहीं।" दिए गए कथन की मान्य तर्कों द्वारा पुष्टि कीजिए। **उत्तर: किसी वस्तु की आर्थिक प्रकृति यह निर्धारित करती है कि वह वस्तु अंतिम वस्तु होगी अथवा नहीं। एक बार जब कोई वस्तु उपभोक्ता को बेच दी जाती है, तो वह उत्पादन सीमा को पार कर जाती है और उत्पादक के हाथों कोई और परिवर्तन संभव नहीं होता है। यद्यपि अंतिम क्रेता के हाथों इसमें और परिवर्तन हो सकता है, यह प्रकृति में गैर-आर्थिक है।** **परन्तु, यदि वही उत्पाद उसी वर्ष आगे के उत्पादन या पुनर्विक्रय के लिए बेचा जाता है, तो इसे मध्यवर्ती वस्तु माना जाएगा क्योंकि उसमें किसी भी आगे के चरण में मूल्यवर्धन संभव है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
12.	अन्य कारकों को स्थिर रखते हुए, यह समझाइए कि अपने देश में विदेशी पर्यटकों द्वारा किया गया खर्च और विदेशी छात्रों द्वारा फीस भुगतान विदेशी मुद्रा की माँग और आपूर्ति को कैसे प्रभावित करता है। **उत्तर: अन्य कारकों को स्थिर रखते हुए, दी गई स्थितियों के निम्नलिखित संभावित प्रभाव हो सकते हैं :** • **स्वदेश में विदेशी पर्यटकों द्वारा किया गया व्यय विदेशी मुद्रा के अधिक अंतर्वाह को सुनिश्चित करेगा, जिससे विदेशी मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि होगी** • **स्वदेश से विदेश जाने वाले/विदेश से स्वदेश आने वाले छात्रों द्वारा फीस भुगतान पर किया गया कोई भी व्यय विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह/अंतर्वाह का कारण बनेगा, जिससे विदेशी मुद्रा की मांग/आपूर्ति में वृद्धि होगी।**	**1 ½** **1 ½**
		3
13.	यदि आय के संतुलन स्तर में ₹ 50,000 करोड़ की वृद्धि होती है तथा अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त आय का आधा भाग सदैव बचत के रूप में रखा जाता है, तो वृद्धिशील निवेश के मूल्य का अनुमान लगाइए। **उत्तर: दिया गया है, आय में वृद्धि (ΔY) = ₹ 50,000 करोड़** **सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.5** **जैसा कि हम जानते हैं,** **निवेश गुणक (K) =** $\frac{1}{MPS}$ $= \frac{1}{0.5} = 2$	**1** **½** **1 ½**

	निवेश गुणक (K) = $\frac{\text{आय में परिवर्तन } (\Delta Y)}{\text{निवेश में परिवर्तन } (\Delta I)}$ **2 =** $\frac{50000}{\text{निवेश में परिवर्तन } (\Delta I)}$ **निवेश में परिवर्तन (ΔI) = ₹ 25,000 करोड़**	½ ½ **4**
14. **(क)**	उपयुक्त उदाहरणों द्वारा, राजस्व व्यय तथा पूँजीगत व्यय में अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर: सरकार द्वारा किया गया व्यय जिससे न तो परिसंपत्ति का निर्माण होता है और न ही देनदारी में कमी आती है, उसे राजस्व व्यय कहा जाता है।** **उदाहरण के लिए: सरकारी कर्मचारियों को दिया जाने वाला वेतन।** **जबकि;** **सरकार द्वारा किया गया व्यय जिससे या तो परिसंपत्ति का निर्माण होता है या देनदारी में कमी आती है, उसे पूंजीगत व्यय कहा जाता है।** **उदाहरण के लिए: फ्लाईओवर का निर्माण।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1 ½** **½** **1 ½** **½**
	अथवा	**4**
(ख)	उपयुक्त उदाहरणों द्वारा, राजस्व प्राप्तियों तथा पूँजीगत प्राप्तियों में अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर: सरकार की वे प्राप्तियाँ जिनसे न तो देनदारी में वृद्धि होती है और न ही परिसंपत्ति में कमी आती है, राजस्व प्राप्तियाँ कहलाती हैं।** **उदाहरण: सरकार द्वारा प्राप्त कर।** **जबकि;** **सरकार की वह प्राप्तियाँ जिसके कारण या तो देनदारी में वृद्धि होती है या परिसंपत्ति में कमी आती है, पूँजीगत प्राप्तियाँ कहलाती हैं।** **उदाहरण: विनिवेश से प्राप्त आय।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1 ½** **½** **1 ½** **½** **4**
15.	"भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने साख राशि के प्रतिभूति मूल्य की पूर्व दर 70% से बढ़ाकर 90% करने का निर्णय लिया है।" उपर्युक्त कथन के आलोक में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा अपनाए गए मौद्रिक उपाय के प्रकार की पहचान कीजिए तथा अर्थव्यवस्था की समग्र माँग पर इस कदम के संभावित प्रभावों को स्पष्ट कीजिए। **उत्तर: उपरोक्त कथन में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अपनाए जा रहे मौद्रिक उपाय को 'सीमांत आवश्यकता' कहा जाता है।** **सीमांत आवश्यकता का तात्पर्य ऋण की राशि और उधारकर्ता द्वारा ऋण के बदले गिरवी रखी गई प्रतिभूति के मूल्य के बीच के अंतर से है। ऋण की राशि को प्रतिभूति मूल्य के 70% की पिछली दर से बढ़ाकर 90% करना सीमांत आवश्यकता में गिरावट को दर्शाता है। यह स्थिति जनता को अधिक ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में समग्र मांग में वृद्धि हो जाएगी।**	**1** **3** **4**
16.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: ऐसी कोई भी संस्था जो जनता से जमा राशि स्वीकार करती है तथा ऋण प्रदान करती है, बैंक कहलाती है। बैंकों को मुख्यतः निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: • वाणिज्यिक बैंक, और • केन्द्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंक जनता से जमा स्वीकार करते हैं तथा इन जमाओं का उपयोग ऋण प्रदान करने के लिए करते हैं। बैंक जमा राशि का एक अंश संरक्षित रूप में रखते हैं। आमतौर पर, सभी जमाकर्ता एक ही समय पर अपने पैसे की माँग नहीं करते हैं। किसी राष्ट्र में साख सृजन नियंत्रण की जिम्मेदारी केन्द्रीय बैंक पर होती है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अपनी मौद्रिक नीति के माध्यम से भारत में मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करता है।	

उपर्युक्त गद्य व सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) बैंक के अर्थ का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: बैंक एक संस्था है जो जनता से जमा राशि स्वीकार करती है तथा ऋण प्रदान करती है। — **1**

(ii) केन्द्रीय बैंक को वाणिज्यिक बैंकों से पृथक करने वाली किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: केन्द्रीय बैंक को वाणिज्यिक बैंकों से पृथक करने वाली किन्हीं दो विशेषताऐं हैं :

- **वाणिज्यिक बैंक जनता से जमाराशि स्वीकार करते हैं और जनता को ऋण देते हैं, जबकि केंद्रीय बैंक जनता के साथ प्रत्यक्ष लेन - देन नहीं करता है।** — **1**
- **वाणिज्यिक बैंक साख का निर्माण करते हैं जबकि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में ऋण सृजन को नियंत्रित करने के लिए उत्तरदायी है।** — **1**

(किसी अन्य वैध विशेषता को अंक दिए जाए)

(iii) "खुले बाज़ार में परिचालन भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को विनियमित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला उपकरण है।"

मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री/खरीद द्वारा अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को विनियमित कर सकता है।

जब RBI सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री करता है, तो वाणिज्यिक बैंकों के पास कोषों की उपलब्धता कम हो जाती है, जिससे उनकी ऋण क्षमता में कमी आती है। परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति कम हो जाती है।

इसके विपरीत, जब RBI सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय है, तो वाणिज्यिक बैंकों के पास कोषों की उपलब्धता में वृद्धि होती है, जिससे उनकी ऋण देने की क्षमता बढ़ जाती है। इसके फलस्वरूप, अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि हो जाती है। — **3**

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

6

17. (a) निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) व कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{FC}) के मूल्यों की गणना कीजिए:

क्रम संख्या	*मदें*	*राशि (१ करोड़ में)*
(i)	किराया	120
(ii)	लाभ	200
(iii)	घरेलू आय	720
(iv)	मिश्रित आय	70
(v)	मजदूरी व वेतन	300
(vi)	अप्रत्यक्ष कर	150
(vii)	उपदान	50
(viii)	स्थिर पूँजी का उपभोग	200
(ix)	ब्याज	30
(x)	लाभांश	120
(xi)	विदेश से प्राप्त शुद्ध कारक आय	20

उत्तर: राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) = (iii) + (xi) — **1 ½**

= 720 + 20 — **1**

= ₹ 740 करोड़ — **½**

कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{FC}) = (iii) + (viii) — **1 ½**

= 720 + 200 — **1**

= ₹ 920 करोड़ — **½**

अथवा

6

(b)	(ख) (i) **"**वस्तुओं व सेवाओं की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में में वृद्धि का अर्थ अनिवार्य रूप से उस देश के लोगों के कल्याण में वृद्धि है।**"** क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं**?** वैध कारण द्वारा उत्तर का समर्थन कीजिए। **उत्तर: नहीं। प्रति व्यक्ति वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि का अर्थ यह आवश्यक नहीं है कि, लोगों के कल्याण में भी वृद्धि हुई है ।वस्तुओं और सेवाओं की औसत उपलब्धता में वृद्धि से यह सुनिश्चित नहीं होता कि आय का समान वितरण होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि GDP में वृद्धि के लाभ कुछ ही लोगों तक सीमित रह सकते हैं। यह असमानता अमीर और गरीब के मध्य अंतर को और बढ़ा सकती है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य किसी प्रासंगिक उत्तर के लिए भी तद्नुसार अंक प्रदान किए जाए)**	**4**
	(ii) पूँजीगत वस्तु को परिभाषित कीजिए। **उत्तर: पूंजीगत वस्तुएं वे अंतिम वस्तुएं होती हैं जो अन्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में सहायता करती हैं ।**	**2**
		6
	खण्ड - ख **भारतीय आर्थिक विकास**	
18.	निम्नलिखित गद्य को ध्यानपूर्वक पढ़िए : "1966 - 67 के मध्य, माओ ने इस आंदोलन की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत पेशेवरों व छात्रों को चीन के ग्रामीण इलाकों में कार्य करने व सीखने के लिए कहा गया था।" उपर्युक्त गद्य के संदर्भ में सही विकल्प की पहचान कीजिए। (A) कम्यून प्रणाली (B) ग्रेट लीप फॉरवर्ड (C) खुले द्वार की नीति (D) महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति **उत्तर: (D) महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति**	**1**
19.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए : *कथन I* : पशुधन लघु व सीमांत कृषकों को वैकल्पिक आजीविका प्रदान करता है। *कथन II* : ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन पूरे वर्ष स्थिर रोज़गार के अवसर प्रदान करता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं। **उत्तर: (C) कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं।**	**1**
20.	संपूर्ण विश्व में राष्ट्र आमतौर पर_____ के लिए क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक समूहों की स्थापना करते हैं। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने (B) स्वतंत्रता सुनिश्चित करने (C) न्यायिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करने (D) बाकि राष्ट्रों पर नियंत्रण प्राप्त करने **उत्तर: (A) अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने**	**1**
21.	भारत का तीव्र (सीढ़ीनुमा) शिक्षा पिरामिड यह दर्शाता है, कि_____ ।. (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) विकल्प : (A) सभी स्तरों पर विद्यार्थियों का समान वितरण है (B) उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि है	

	(C) शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी कम है (D) उच्च शिक्षा तक पहुँचने वाले लोगों की संख्या कम है **उत्तर: (D) उच्च शिक्षा तक पहुँचने वाले लोगों की संख्या कम है**	**1**
22.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन 1*: उड़ीसा तट पर तटीय नहर जैसे संदर्भ में अंतर्देशीय जलमार्ग अलाभकारी साबित हुए थे। *कथन II*: ब्रिटिश सरकार ने एक प्रभावी व कुशल प्रशासनिक व्यवस्था का पालन किया और प्रभावी कार्य संस्कृति की विरासत छोड़ी। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन 1 और कथन II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं। **उत्तर: (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है।**	**1**
23.	पाकिस्तान की निम्नलिखित घटनाओं को सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए: I. पूँजीगत वस्तु उद्योगों का राष्ट्रीयकरण II. पाकिस्तान की स्थापना III. आर्थिक सुधारों का आरंभ IV. प्रथम पंचवर्षीय योजना की घोषणा (सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) III, IV, I, II (B) III, II, I, IV (C) IV, III, II, I (D) II, IV, I, III **उत्तर: (D) II, IV, I, III**	**1**
24.	निम्नलिखित कथनों : अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए: *अभिकथन (A):* भारत में बेरोजगारी की समस्या बहुआयामी है। *कारण (R):* कुछ व्यक्ति पूरे वर्ष कार्यरत रहते हैं, जबकि अन्य व्यक्ति वर्ष में मात्र कुछ माह ही कार्यरत होते हैं। **विकल्प** : (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है। **उत्तर: (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।**	**1**
25.	न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार द्वारा_____ के हितों की रक्षा के लिए निर्धारित किया जाता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) उपभोक्ताओं (B) कृषकों (C) थोक विक्रेताओं (D) बिचौलियों **उत्तर: (B) कृषकों**	**1**
26.	पहचान कीजिए कि, निम्नलिखित में से कौन आय का सूचक है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)	

	विकल्प : (A) मृत्यु दर (B) कुपोषण (C) प्रति व्यक्ति GDP (D) रुग्णता दर **उत्तर: (C) प्रति व्यक्ति GDP**	**1**
27.	1991 की नई आर्थिक नीति के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए प्रयासों (उदारीकरण व निजीकरण) का मुख्य परिणाम _____था। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) राजकोषीय नीति सुधार (B) वैश्वीकरण (C) मौद्रिक नीति सुधार (D) उत्पादों का आरक्षण **उत्तर: (B) वैश्वीकरण**	**1**
28.	"हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न उत्पादन के संदर्भ में आत्मनिर्भर बना दिया है।" मान्य तर्कों द्वारा उपर्युक्त कथन की पुष्टि कीजिए। **उत्तर: भारत में हरित क्रांति के कारण HYV (उच्च उपजी किस्म) बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों आदि के उपयोग से कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप, खाद्यान्न के आयात पर निर्भरता बहुत काम हो गयी । भारत ने पर्याप्त बफर स्टॉक बनाए रखकर खाद्य सुरक्षा भी प्राप्त की। अतः, हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न उत्पादन के संबंध में आत्मनिर्भर बना दिया। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
29. **(क)**	विश्व व्यापार संगठन (WTO) के महत्त्वपूर्ण सदस्य के रूप में भारत की भूमिका की व्याख्या कीजिए। **उत्तर: विश्व व्यापार संगठन (WTO) के एक सदस्य के रूप में, भारत विकासशील देशों के हितों का समर्थन करते हुए निष्पक्ष वैश्विक नियम और विनियम बनाने में अग्रणी रहा है। भारत ने आयात पर से मात्रात्मक प्रतिबंधों को हटाकर तथा प्रशुल्क दरों को कम करके व्यापार के उदारीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरी निष्ठा से निभाया है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
	अथवा	
(ख)	भारत की योजना अवधि के दौरान, सरकार द्वारा प्रारंभ की गई औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। **उत्तर: औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति, जोकि भारत की योजना अवधि के दौरान, सरकार द्वारा IPR 1956 के अंतर्गत प्रारम्भ की गई, के अनुसार, उद्योगों के लिए उत्पादन संबंधी निर्णयों हेतु सरकार से पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य था। इस नीति का मुख्य उद्देश्य संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना तथा आर्थिक शक्ति के संकेंद्रण को रोकना था।** **यद्यपि, आरम्भ में लाइसेंसिंग प्रणाली ने औद्योगिकीकरण का मार्गदर्शन करने और लघु उद्योगों की रक्षा करने में मदद की, किन्तु समय के साथ इसके कारण प्रशासनिक विलंभ (लालफीताशाही), भ्रष्टाचार, प्रतिस्पर्धा में कमी व संसाधनों का अकुशल आवंटन हुआ, जिससे अंततः आर्थिक विकास बाधित हुआ। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
30. **(क)**	भारत में मानव पूँजी निर्माण की दक्षता वृद्धि करने में सरकार की भूमिका का वर्णन कीजिए। **उत्तर: मानव पूँजी निर्माण की दक्षता को प्रोत्साहित करने में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकारी हस्तक्षेप अनिवार्य है क्योंकि शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर किया गया व्यय दीर्घकालिक तथा अपरिवर्तनीय प्रभाव डालता है। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं के पास प्रायः सेवा की गुणवत्ता तथा लागत के विषय में पूर्ण सूचना का अभाव होता है, जिससे एकाधिकार की स्थिति उत्पन्न होती है और निजी सेवा प्रदाताओं द्वारा उत्पीड़न की संभावना बढ़ जाती है। इस परिस्थिति के निवारण हेतु, सरकार द्वारा इन सेवाओं का नियमन आवश्यक है, ताकि मानकों की अनुपालना और उचित मूल्य निर्धारण सुनिश्चित किया जा सके। अतः, समाज के सभी वर्गों के लिए इन अनिवार्य सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करने में सरकार एक अपरिहार्य भूमिका का निर्वहन करती है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**4**
	अथवा	

(ख) "परंपरागत ज्ञान व प्रथाएँ अभी भी धारणीय विकास सुनिश्चित करने में उपयोगी हैं।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में वैध कारण दीजिए।

उत्तर: हाँ। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा, आवास और परिवहन के क्षेत्रों में पर्यावरण -अनुकूल (Eco-friendly) पद्धतियों को अपनाया था। इन समस्त प्रणालियों में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध उत्पादों और प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता था, जिनके पार्श्व प्रभाव (Side effects) अत्यंत न्यून थे।

आधुनिक प्रणालियों के चयन से पर्यावरण का ह्रास हुआ है। इसके विपरीत, भारत के पास आयुर्वेद और यूनानी जैसी समृद्ध पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ उपलब्ध हैं, जिनकी वर्तमान में अत्यधिक माँग है। इसके अतिरिक्त, अनेक हर्बल सौंदर्य प्रसाधन पुनः लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि वे पर्यावरण के अनुकूल एवं सुरक्षित हैं, उनमें औद्योगिक प्रसंस्करण की न्यूनतम आवश्यकता होती है और वे सतत विकास सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए) — **4**

---

31. दिए गए आँकड़ों के आधार पर, भारत व पाकिस्तान के मध्य विभिन्न क्षेत्रों (1980 – 2018) में उत्पादन वृद्धि की प्रवृत्तियों पर टिप्पणी कीजिए।

राष्ट्र	1980 – 90			2014 – 18		
	कृषि	उद्योग	सेवाएँ	कृषि	उद्योग	सेवाएँ
भारत	3·1	7·4	6·9	3·1	6·9	7·6
पाकिस्तान	4	7·7	6·8	1·7	4·8	5·0

उत्तर: दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत के कृषि क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि 3.1% पर स्थिर रही है, जबकि पाकिस्तान में 4% से 1.7% की तीव्र गिरावट आई है। औद्योगिक क्षेत्र में, दोनों देशों ने मंदी का अनुभव किया। यद्यपि ,भारत के लिए गिरावट मामूली थी (7.4% से 6.9%), किन्तु पाकिस्तान के लिए यह अधिक गंभीर (7.7% से 4.8%) थी। सेवा क्षेत्र में, भारत ने प्रगति दिखाई, जहाँ विकास दर 6.9% से बढ़कर 7.6% हो गई, जबकि पाकिस्तान में इस क्षेत्र की विकास दर 6.8% से गिरकर 5% हो गई। समग्र रूप से, इस अवधि के दौरान भारत की आर्थिक संवृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र द्वारा संचालित थी, जबकि पाकिस्तान ने तीनों क्षेत्रों में मंदी का अनुभव किया। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** — **4**

---

32. (क) व्याख्या कीजिए कि, किस प्रकार वस्तु व सेवा कर (GST) ने वस्तुओं व सेवाओं पर आरोपित करों की बहुलता का सरलीकरण किया है।

उत्तर: वस्तु एवं सेवा कर (GST) एकल और व्यापक अप्रत्यक्ष कर है। GST के अंतर्गत, वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन तथा वितरण के प्रत्येक चरण पर होने वाले मूल्यवर्धन पर कर लगाया जाता है। इस कर ने अनेक अप्रत्यक्ष करों को प्रतिस्थापित किया है। अतः, GST कराधान में एकरूपता को प्रोत्साहित करता है, करों के कुल बोझ को कम करता है, करों के कैस्केडिंग (सोपानन) प्रभाव को समाप्त करता है तथा देश में व्यापार करने की सुगमता में सुधार करता है। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** — **2**

(ख) कृषि के व्यवसायीकरण के अर्थ का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: कृषि के व्यवसायीकरण का तात्पर्य स्वउपभोग के स्थान पर बाजार में बिक्री हेतु फसलों के उत्पादन से है। — **2**

4

---

33. निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए:

वर्तमान समय में, हरित निवेश व धारणीयता, सार्वजनिक नीतियों में प्राथमिकताएँ हैं। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर भारत एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है।

भारत ने भविष्य के लिए समाधान खोजने का संकल्प लिया है। सरकार ने धारणीय विकास से संबंधित विभिन्न नीतियों व उपायों को लागू करके आर्थिक विकास को बनाए रखने में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने स्वच्छ वायु प्रदान करने में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। जल सुरक्षा हासिल करने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन प्रारंभ किया गया था।

	ग्रीनहाऊस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो, पृथ्वी की सतह को गर्म करती है, जहाँ कुछ वायुमंडलीय गैसें, जिन्हें ग्रीनहाऊस गैसों के रूप में जाना जाता है, सूर्य से गर्मी को रोकती हैं और इसे पुनः उत्सर्जित करती हैं, जिससे ग्रह, जीवन को सहारा देने के लिए पर्याप्त गर्म रहता है। वर्तमान समय में ग्रीनहाऊस गैसों व पृथ्वी के बढ़ते तापमान का मुद्दा एक वैश्विक चिंता का विषय है। उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (क) भारत में धारणीय विकास प्राप्त करने में सम्मिलित किन्हीं दो कदमों पर चर्चा कीजिए। **उत्तर: भारत ने धारणीय विकास सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:** • **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने स्वच्छ वायु के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय रूप से योगदान दिया है।** • **जल जीवन मिशन का सूत्रपात जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया।** **(किसी भी अन्य वैध रणनीति/कदम के लिए अंक दिए जाएँ)** (ख) पर्यावरण की धारणीय क्षमता को चुनौती देने वाले किन्हीं दो कारकों का उल्लेख कीजिए। **उत्तर: पर्यावरण की धारणीय क्षमता को चुनौती देने वाले दो कारक निम्नलिखित हैं:** • **विकासशील देशों की बढ़ती जनसंख्या।** • **विकसित देशों के अत्यधिक उपभोग और उत्पादन के मानक।** (ग) ' ग्रीनहाउस प्रभाव' को परिभाषित कीजिए। **उत्तर. ग्रीनहाउस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो पृथ्वी की सतह को गर्म करती है, जिसमें सूर्य से आने वाली ऊष्मा ग्रीनहाउस गैसों के कारण वायुमंडल के अंदर ही पाशित हो जाती है।**	**1½** **1½** **1** **1** **1** **6**
34. (क)	(क) (i) "सूचना प्रौद्योगिकी, धारणीय विकास व खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।" दिए गए कथन की वैध तकों द्वारा पुष्टि कीजिए। **उत्तर: सूचना प्रौद्योगिकी (IT) धारणीय विकास और खाद्य सुरक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि सरकार उपयुक्त सूचनाओं और सॉफ्टवेयर उपकरणों के माध्यम से खाद्य असुरक्षा तथा संवेदनशीलता वाले क्षेत्रों का पूर्वानुमान लगा सकती है। यह उभरती हुई प्रौद्योगिकि और उनके अनुप्रयोग कीमतों, मौसम तथा विभिन्न फसलों के लिए उपयुक्त मृदा की स्थिति आदि के विषय में सूचना के प्रसार में भी सहायता प्रदान करती है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** (ii) उपयुक्त उदाहरण द्वारा 'स्वरोज़गार श्रमिकों' के अर्थ का उल्लेख कीजिए। **उत्तर: स्व-नियोजित श्रमिक वे कर्मचारी हैं जो अपनी आजीविका अर्जन के लिए किसी उद्यम का स्वामित्व व संचालन करते हैं।** **उदाहरण के लिए: सीमेंट की दुकान का मालिक।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**4** **1 ½** **½** **6**
	अथवा	
(ख)	(i) उपयुक्त उदाहरण द्वारा औपचारिक व अनौपचारिक क्षेत्र में अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर: औपचारिक क्षेत्र में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान तथा वे निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल होते हैं जो 10 या उससे अधिक नियोजित श्रमिकों को रोजगार देते हैं। औपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को नियमित आय प्राप्त होती है और वे सामाजिक सुरक्षा लाभों के अधिकारी होते हैं।** **उदाहरणार्थ: सरकारी अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी आदि।** **जबकि;** **अनौपचारिक क्षेत्र में वे निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल हैं जो, 10 से कम कर्मचारियों को रोजगार देते हैं। अनौपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों को प्रायः रोजगार की सुरक्षा व नियमित आय का अभाव होता है और उन्हें बिना किसी क्षतिपूर्ति के नौकरी से निष्कासित जा सकता है।** **उदाहरणार्थ: खेतिहर मजदूर आदि।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1** **½** **1** **½**

	(ii) श्रमिक जनसंख्या अनुपात की महत्त्व सहित परिभाषा दीजिए। **उत्तर: श्रमिक जनसंख्या अनुपात को किसी देश में श्रमिकों की कुल संख्या तथा कुल जनसंख्या के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसे प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है।** **श्रमिक-जनसंख्या अनुपात एक ऐसा संकेतक है जिसका उपयोग देश में रोज़गार की स्थिति का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। यह अनुपात जनसंख्या के उस अंश को जानने में उपयोगी है जो देश के वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। श्रमिक-जनसंख्या अनुपात जितना अधिक होगा, आर्थिक गतिविधियों में लोगों की भागीदारी उतनी ही अधिक होगी और इसके विपरीत भी।**	**1** **2**
		6

* * *